eCard

सुबह व शाम के मसनून अज़कार

بسم اللّٰہ الرحمٰن الرحیم

सुबह की दुआऐं

* اَسْتَغْفِرُ اللّٰهَ (المعجم الاوسط للطبرانی، ج:4،3749)

मैं अल्लाह से बख़्शिश माँगता हूँ। (सुबह सौ बार)

* سُبْحَانَ اللّٰهِ وَبِحَمْدِهٖ عَدَدَ خَلْقِهٖ وَرِضَا نَفْسِهٖ وَزِنَةَ عَرْشِهٖ وَمِدَادَ كَلِمَاتِهٖ (صحیح مسلم:6913)

पाक है अल्लाह और उसी की तारीफ़ है उसकी मख़लूक़ की तादाद के बराबर,उसकी ज़ात की रज़ा के बराबर,उसके अर्श के वज़न और उसके कलमात की स्याही के बराबर। (सुबह तीन बार)

* اَللّٰهُمَّ بِكَ اَصْبَحْنَا وَبِكَ اَمْسَيْنَا وَبِكَ نَحْيَا وَبِكَ نَمُوْتُ وَاِلَيْكَ الْمَصِيْرُ (سنن الترمذی:3391)

ऐ अल्लाह! तेरे हुक्म से हमने सुबह की और तेरे हुक्म से हमने शाम की और तेरे हुक्म से हम जीते और तेरे हुक्म से हम मरते हैं और तेरी ही तरफ़ पलट कर जाना है। (सुबह एक बार)

* اَصْبَحْنَا وَاَصْبَحَ الْمُلْكُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ، اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَسْاَلُكَ خَيْرَ هٰذَا الْيَوْمِ فَتْحَهٗ وَنَصْرَهٗ وَنُوْرَهٗ وَبَرَكَتَهٗ وَهُدَاهُ وَاَعُوْذُبِكَ مِنْ شَرِّ مَافِيْهِ وَشَرِّ مَا قَبْلَهٗ وَشَرِّ مَا بَعْدَهٗ (صحیح الجامع الصغیر وزیادتہ:352)

हमने सुबह की और सारे आलम ने सुबह की अल्लाह के लिए जो तमाम जहानों का रब है,ऐ अल्लाह! बेशक मैं तुझ से आज के दिन की भलाई,उसकी फ़तह,उसकी मदद,और उसका नूर,और उसकी बरकत औरउसकी हिदायत माँगता हूँ और मैं तेरी पनाह चाहता हूँ उस शर से जो उसमें है और जो उससे पहले और जो उसके बाद है। (सुबह एक बार)

* اَصْبَحْنَا وَ اَصْبَحَ الْمُلْكُ لِلّٰهِ وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ لَااِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ، لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ وَهُوَ عَلٰى كُلِّ شَیْءٍ قَدِيْرٌ، رَبِّ اَسْاَلُكَ خَيْرَ مَا فِیْ هٰذَا الْيَوْمِ وَخَيْرَ مَا بَعْدَهٗ وَاَعُوْذُبِكَ مِنْ

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

شَرِّ مَا فِیْ هٰذَا الْیَوْمِ وَشَرِّ مَا بَعْدَهُ، رَبِّ اَعُوْذُبِکَ مِنَ الْکَسَلِ وَسُوْءِ الْکِبَرِ رَبِّ اَعُوْذُبِکَ مِنْ عَذَابٍ فِی النَّارِ وَعَذَابٍ فِی الْقَبْرِ

(صحیح مسلم:6908)

हमने सुबह की और तमाम आलम ने सुबह की अल्लाह के लिए और तमाम तारीफ़ें अल्लाह के लिए हैं ,अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वो अकेला है उसका कोई शरीक नहीं,उसी के लिए बादशाही है और उसी के लिए तमाम तारीफ़ें हैं और वो हर चीज़ पर क़ादिर है,ऐ मेरे रब !मैं तुझ से आज के दिन की औरजोउसके बाद है उसकी भलाई माँगता हूँ और मैं तेरी पनाह चाहता हूँ आज के दिन और जो उसके बाद है उसकी बुराई से ,ऐ मेरे रब ! मैं तेरी पनाह चाहता हूँ सुस्ती और बदतरीन बुढ़ापे से,ऐ मेरे रब ! मैं तेरी पनाह चाहता हूँ आग के अज़ाब से और क़ब्र के अज़ाब से। (सुबह एक बार)

शाम की दुआऐं

* اَعُوْذُ بِکَلِمَاتِ اللهِ التَّامَّاتِ مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ (صحیح مسلم:6880)

मैं पनाह माँगता हूँ अल्लाह के तमाम कलमात के साथ,हर उस चीज़ के शर से जो उस(अल्लाह) ने पैदा की है। (शाम एक बार)

* اَللّٰهُمَّ بِکَ اَمْسَیْنَا وَبِکَ اَصْبَحْنَا وَبِکَ نَحْیَا وَبِکَ نَمُوْتُ وَاِلَیْکَ النُّشُوْرُ (سنن الترمذی:3391)

ऐ अल्लाह! तेरे हुक्म से हमने शाम की और तेरे हुक्म से हमने सुबह की और तेरे हुक्म से हम जीते और तेरे हुक्म से हम मरते हैं और तेरी तरफ़ दोबारा उठाया जाना है। (शाम एक बार)

* اَمْسَیْنَا وَاَمْسَی الْمُلْکُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِیْنَ، اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَسْاَلُکَ خَیْرَ هٰذِهِ اللَّیْلَةِ فَتْحَهَا وَنَصْرَهَا وَنُوْرَهَا وَبَرَکَتَهَا وَهُدَاهَا وَاَعُوْذُبِکَ مِنْ شَرِّ مَا فِیْهَا وَشَرِّ مَا قَبْلَهَا وَشَرِّ مَا بَعْدَهَا (صحیح الجامع الصغیر وزیادته:352)

हमने शाम की और सारे आलम ने शाम की अल्लाह के लिए जो तमाम जहानों का रब है, ऐ अल्लाह! मैं तुझसे आज की रात की भलाई,और उसकी फ़तह,उसकी मदद,उसका नूर,उसकी बरकत और उसकी हिदायत माँगता हूँ और तेरी पनाह चाहता हूँ उस शर से जो उसमें है और जो उससे पहले और जो उसके बाद है। (शाम एक बार)

सुबह व शाम की दुआऐं

* آیة الکرسی (المعجم الکبیر للطبرانی، ج:1،541) (सुबह व शाम एक बार)

* سورة الاخلاص، سورة الفلق، سورة الناس (سنن ابی داؤد:5082) (सुबह व शाम तीन बार)

* سُبْحَانَ اللّٰهِ وَبِحَمْدِهٖ (صحیح مسلم:6843) (सुबह व शाम सौ बार)

* اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى مُحَمَّدِنِ النَّبِيِّ الْاُمِّيِّ وَعَلٰى آلِ مُحَمَّدٍ (سنن ابی داؤد:981)

ऐ अल्लाह! नबी उम्मी मुहम्मद ﷺ पर रहमतें नाज़िल फ़रमा। (सुबह व शाम दस बार)

* لَااِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ، لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ وَهُوَ عَلٰى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرٌ (سنن ابی داؤد:5077)

अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं,वो अकेला है उसका कोई शरीक नहीं,उसी के लिए बादशाहत है और उसी के लिए सब तारीफ़ है और वो हर चीज़ पर कुद्रत रखने वाला है। (सुबह व शाम एक बार)

* بِسْمِ اللّٰهِ الَّذِىْ لَا يَضُرُّ مَعَ اسْمِهٖ شَيْءٌ فِى الْاَرْضِ وَلَا فِى السَّمَآءِ وَهُوَ السَّمِيْعُ الْعَلِيْمُ (سنن ابی داؤد:5088)

अल्लाह के नाम से,वो ज़ात जिसके नाम के साथ कोई चीज़ ज़मीन में और आसमान में नुक़्सान नहीं दे सकती और वो सुनने वाला जानने वाला है। (सुबह व शाम तीन बार)

* اَصْبَحْنَا عَلٰى فِطْرَةِ الْاِسْلَامِ وَعَلٰى كَلِمَةِ الْاِخْلَاصِ وَعَلٰى دِيْنِ نَبِيِّنَا مُحَمَّدٍ ﷺ وَعَلٰى مِلَّةِ اَبِيْنَا اِبْرَاهِيْمَ حَنِيْفًا مُّسْلِمًا وَّمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ (مسند احمد، ج:24،15363)

हमने सुबह की फ़ितरते इस्लाम पर,कलमए इख़्लास पर और अपने नबी हज़रत मुहम्मद ﷺ के दीन पर और अपने बाप हज़रत इब्राहीम علیہ السلام की मिल्लत पर जो यक्सू मुसलमान थे और वो मुशरिकों में से नहीं थे। (सुबह व शाम एक बार)

* اَللّٰهُمَّ عَافِنِىْ فِىْ بَدَنِىْ، اَللّٰهُمَّ عَافِنِىْ فِىْ سَمْعِىْ، اَللّٰهُمَّ عَافِنِىْ فِىْ

© AL-AUDI INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

بَصَرِیْ لَا اِلٰهَ اِلَّااَنْتَ (سنن ابی داؤد:5090)

ऐ अल्लाह! मेरे बदन में मुझे आफ़ियत दे,ऐ अल्लाह !मेरे कानों में मुझे आफ़ियत दे,ऐ अल्लाह!मेरी आँखों में मुझे आफ़ियत जे,तेरे सिवा कोई माबूद नहीं। (सुबह व शाम तीन बार)

* اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَعُوْذُ بِکَ مِنَ الْکُفْرِ وَالْفَقْرِ، اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَعُوْذُبِکَ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ، لَااِلٰهَ اِلَّا اَنْتَ (سنن ابی داؤد:5090)

ऐ अल्लाह! यक़ीनन मैं तेरी पनाह चाहता हूँ कुफ़्र और फ़क़्र व फ़ाक़े से,ऐ अल्लाह! बेशक मैं तेरी पनाह चाहता हूँ अज़ाबे क़ब्र से, तेरे सिवा कोई माबूद नहीं। (सुबह व शाम तीन बार)

* یَاحَیُّ یَا قَیُّوْمُ بِرَحْمَتِکَ اَسْتَغِیْثُ اَصْلِحْ لِیْ شَاْنِیْ کُلَّهُ وَلَا تَکِلْنِیْ اِلٰی نَفْسِیْ طَرْفَةَ عَیْنٍ (المستدرك للحاكم، ج:2، 2044)

ऐ ज़िन्दा क़ायम रहने वाले! तेरी रहमत के सबब से फ़रियाद करता हूँ कि मेरे सब कामों की इस्लाह फ़रमा दे और पलक झपकने के लिए भी मुझे मेरे नफ़्स के हवाले ना कर। (सुबह व शाम एक बार)

* اَللّٰهُمَّ اَنْتَ خَلَقْتَنِیْ وَاَنْتَ تَهْدِیْنِیْ وَاَنْتَ تُطْعِمُنِیْ وَاَنْتَ تَسْقِیْنِیْ وَاَنْتَ تُمِیْتُنِیْ وَاَنْتَ تُحْیِیْنِیْ (المعجم الاوسط للطبرانی، ج:2، 1032)

ऐ अल्लाह ! तू ने मुझे पैदा किया और तू मुझे हिदायत देता है और तू ही मुझे खिलाता है और मुझे पिलाता है और तू ही मुझे मौत देता है और तू ही मुझे ज़िन्दगी देता है। (सुबह व शाम एक बार)

* اَللّٰهُمَّ اَنْتَ رَبِّیْ، لَا اِلٰهَ اِلَّا اَنْتَ خَلَقْتَنِیْ وَاَنَا عَبْدُکَ وَاَنَا عَلٰی عَهْدِکَ وَ وَعْدِکَ مَااسْتَطَعْتُ اَعُوْذُبِکَ مِنْ شَرِّ مَاصَنَعْتُ اَبُوْءُ لَکَ بِنِعْمَتِکَ عَلَیَّ وَاَبُوْءُ بِذَنْبِیْ فَاغْفِرْ لِیْ اِنَّهُ لَا یَغْفِرُ الذُّنُوْبَ اِلَّا اَنْتَ (صحیح البخاری:6306)

ऐ अल्लाह! तू ही मेरा रब है,तेरे सिवा कोई माबूद नहीं ,तू ने मुझे पैदा किया और मैं तेरा बन्दा हूँ और मैं अपनी इस्तिताअत के मुताबिक़ तुझसे किए हुए एहद और वादे पर क़ायम हूँ, मैं तेरी पनाह चाहता हूँ हर बुराई से जो मैं ने की,मैं अपने ऊपर तेरी अता

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

करदा नेअमतों का एतराफ़ करता हूँ और अपने गुनाह का एतराफ़ करता हूँ,पस मुझे बख़्श दे,यक़ीनन तेरे सिवा कोई गुनाहों को बख़्श नहीं सकता। (सुबह व शाम एक बार)

* اَللّٰهُمَّ فَاطِرَ السَّمَاوَاتِ وَالْاَرْضِ، عَالِمَ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ، لَا اِلٰهَ اِلَّا اَنْتَ رَبَّ كُلِّ شَيْءٍ وَمَلِيْكَهُ اَعُوْذُ بِكَ مِنْ شَرِّ نَفْسِيْ وَمِنْ شَرِّ الشَّيْطَانِ وَشِرْكِهِ وَاَنْ اَقْتَرِفَ عَلٰى نَفْسِيْ سُوْءً اَوْ اَجُرَّهُ اِلٰى مُسْلِمٍ (سنن الترمذی:3529)

ऐ अल्लाह! आसमानों और ज़मीन के पैदा करने वाले,छुपे और खुले के जानने वाले, तेरे सिवा कोई माबूद नहीं,हर चीज़ का रब और उसका मालिक है, मैं तेरी पनाह चाहता हूँ अपने नफ़्स के शर से और शैतान के और उसके शिर्क के शर से और ये कि मैं अपनी जान को किसी बुराई में मुलव्वस करूँ या किसी दूसरे मुसलमान को उसकी तरफ़ माइल करूँ। (सुबह व शाम एक बार)

*اَللّٰهُمَّ اِنِّيْ اَسْاَلُكَ الْعَافِيَةَ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ، اَللّٰهُمَّ اِنِّيْ اَسْاَلُكَ الْعَفْوَ وَالْعَافِيَةَ فِيْ دِيْنِيْ وَدُنْيَايَ وَاَهْلِيْ وَمَالِيْ، اَللّٰهُمَّ اسْتُرْ عَوْرَاتِيْ وَآمِنْ رَوْعَاتِيْ، اَللّٰهُمَّ احْفَظْنِيْ مِنْ بَيْنِ يَدَيَّ وَمِنْ خَلْفِيْ وَعَنْ يَمِيْنِيْ وَعَنْ شِمَالِيْ وَمِنْ فَوْقِيْ وَاَعُوْذُ بِعَظَمَتِكَ اَنْ اُغْتَالَ مِنْ تَحْتِيْ (سنن ابی داؤد:5074)

ऐ अल्लाह! बेशक मैं तुझसे दुनिया व आख़िरत में आफ़ियत माँगता हूँ,ऐ अल्लाह! बेशक मैं तुझसे दरगुज़र और अपने दीन,दुनिया, अहल और माल की आफ़ियत का सवाल करता हूँ ,ऐ अल्लाह! मेरे ऐब ढाँप दे और मुझे ख़ौफ़ से अमन दे।ऐ अल्लाह! मेरी हिफ़ाज़त कर, मेरे सामने से और मेरे पीछे से और मेरे दाएँ से और मेरे बाऐं से और मेरे ऊपर से और मैं पनाह चाहता हूँ तेरी अज़मत के ज़रिये इससे कि मैं नीचे से हलाक किया जाऊँ ।

AlHuda Welfare Trust India
Post Box Number 444, Basavanagudi Bangalore 560004 ,India
Landline: +918040924255. | Mobile phone: +91-9535612224
official email: alhuda.india@gmail.com
website: www.farhathashmi.com
AL-HUDA Publications (Pvt) Ltd.